MR. BAIJU BAWRA
DOE
A.N.D. College,
1.06.2020

B.Ed-1st year
Course-1(b)
Unit-1
Topic-
Hindi Method: Teach method.

Hindi language: Teaching Methods

प्राचीन काल से मनुष्य पूरी सृष्टि जगत में विचरण करता हुआ प्रकृति के नानारूपों से समायोजन एवं टकराता हुआ जीवन में संचरण करता रहा होगा, वह इन रूपों एवं व्यापारों के प्रति कभी आह्लादित रूप में प्रकट करने की अभिलाषा करता रहा होगा, जिनको वह संकेतों, भाव भंगिमाओं, क्रियाओं तथा अव्यवस्थित एवं अपरिमार्जित बोली द्वारा अभिव्यक्त करता रहा होगा। वह बोली के इतिहास को अपने अन्तरहृद में छिपाये सुव्यवस्थित, परिमार्जित एवं परिवर्धित होकर भाषा के स्वरूप में हमारे सम्मुख खड़ी है। आज मनुष्य जाति की कोई भी क्रिया भाषा के बिना संभव नहीं है अतः भाषा ही विचारों का रूप है।

प्राचीन युग में शिक्षा प्रायः अध्यापक केन्द्रित थी। आज बाल केन्द्रित शिक्षण का युग है आज यह माना जाता है कि शिक्षा महज एक प्रक्रिया है और इसके द्वारा बालक के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास किया जाता है। इस दृष्टि से आधुनिक युग में कई नवीन शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग किया गया है। इन शिक्षण पद्धतियों में भाषा शिक्षण का क्या स्थान है इसे देखने का इस अध्याय में प्रयास करेंगे।

जिन पद्धतियों के संदर्भ में भाषा मिशन पर विचार किया जायेगा वे निम्नलिखित हैं।

1. Montenssory System
2. kindergarten System
3. Daltan project
4. Vinet ka project
5. Dekalay System
6. project System
7. Basic Education
8. play method
9. oral presentation
10. Vachan Education.

उपर्युक्त प्रविधि से हम शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बना सकते हैं